डॉ. शिवानन्द नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग (चमोली)

मोनाल

ई-पत्रिका

अंक - 10 पृष्ठ - 07 अप्रैल - जून 2025

महाविद्यालय में संपन्न हुई रेडक्रॉस कार्यशाला : आपदा प्रबंधन और मानव सेवा के लिए दिया गया प्रशिक्षण

08 अप्रैल, 2025

महाविद्यालय में रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तराखंड की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य चमोली जनपद के समस्त महाविद्यालयों के रेडक्रॉस नोडल अधिकारियों को आपदा प्रबंधन, सीपीआर प्रशिक्षण और रेडक्रॉस पंजीकरण से संबंधित तकनीकी जानकारी देना था। कार्यशाला में रेडक्रॉस सोसाइटी के मास्टर ट्रेनर एवं एवरेस्ट विजेता मनीष कसमियाल और मुंशी चौम्वाल ने प्रतिभागियों को सीपीआर प्राथमिक चिकित्सा एवं रेडक्रॉस की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में सही प्रशिक्षण और त्वरित प्रतिक्रिया जीवन बचा सकती है। कार्यक्रम में चमोली रेडक्रॉस समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश डोभाल और सचिव सुरेंद्र सिंह रावत ने भी सहभाग किया। अध्यक्ष डोभाल ने कहा कि चमोली जनपद आपदा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है, ऐसे में रेडक्रॉस की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने आगामी यात्रा और फायर सीजन को देखते हुए 24 घंटे सतर्क रहने की आवश्यकता जताई। जनपद चमोली उच्च शिक्षा के नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य डॉ. वी.एन. खाली ने कहा, “रेडक्रॉस सेवा का मूल मंत्र है – मानवता की सेवा, और यही हमें अपने विद्यार्थियों को सिखाना चाहिए।” उन्होंने इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को महाविद्यालय स्तर पर निरंतर आयोजित किए जाने पर बल दिया। कार्यशाला में कर्णप्रयाग, गोपेश्वर, विधि कॉलेज गोपेश्वर, तलवाड़ी, नंदासैंण, नागनाथ पोखरी, जोशीमठ, नंदानगर, नारायणबगड़ सहित विभिन्न महाविद्यालयों के रेडक्रॉस नोडल अधिकारी एवं छात्र-छात्राओं ने सहभाग किया। इस अवसर पर डॉ. मदन शर्मा, डॉ. कमल किशोर द्विवेदी, डॉ. हरीश बहुगुणा सहित कई प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन नोडल अधिकारी डॉ. कीर्तिराम डंगवाल द्वारा किया गया। यह कार्यशाला आपदा प्रबंधन, मानवीय सहायता, और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को सशक्त और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास सिद्ध हुई।

समर्थ पोर्टल पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन : तकनीकी पहलुओं पर गहन चर्चा

08 अप्रैल, 2025

महाविद्यालय में समर्थ पोर्टल से संबंधित एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। यह कार्यशाला शिक्षकों और कर्मचारियों को समर्थ पोर्टल की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं तकनीकी पक्षों से अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यशाला का संचालन समर्थ नोडल डॉ. मदन शर्मा ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को समर्थ पोर्टल के समस्त तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शर्मा ने बताया कि किस प्रकार शिक्षकगण इस पोर्टल के माध्यम से अपनी विभिन्न प्रकार की छुट्टियों के लिए आवेदन कर सकते हैं एवं विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समर्थ केवल शिक्षकों के लिए ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए भी एक अत्यंत उपयोगी डिजिटल प्लेटफॉर्म है। डॉ. शर्मा के अनुसार, विद्यार्थी इस पोर्टल के माध्यम से प्रवेश से लेकर परीक्षा फार्म, परिणाम एवं कक्षा में अपनी उपस्थिति की जानकारी सिंगल अकाउंट में देख सकते हैं। यह प्रणाली पारदर्शिता, सुलभता और दक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. इंद्रेश कुमार पांडे ने समर्थ की वर्तमान उपयोगिता और भविष्य में इसकी संभावित सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त किए। श्री सोहनलाल मुनियाल ने विभिन्न प्रकार की छुट्टियों की प्रक्रिया, नियम एवं पोर्टल पर उनके आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को दी। इस अवसर पर महाविद्यालय की समर्थ टीम के सदस्य डॉ. शीतल देशवाल, डॉ. दीप सिंह, डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. स्वाति सुन्दरियाल एवं श्री एस. एल. मुनियाल सहित समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और इस प्रकार की तकनीकी कार्यशालाओं के नियमित आयोजन की मांग की। यह कार्यशाला शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुई और समर्थ पोर्टल की दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

Scanned with OKEN Scanner

असंतुलित विकास पृथ्वी के अस्तित्व के लिए है खतरा

22 अप्रैल, 2025

महाविद्यालय में पृथ्वी दिवस के अवसर पर यूथ रेड क्रॉस इकाई की ओर से एक विचार गोष्ठी एवं भाषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण की भावना का विकास करना तथा वैश्विक स्तर पर बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाना था। रेड क्रॉस प्रभारी श्री कीर्तिराम डंगवाल ने अपने संबोधन में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन न केवल पृथ्वी के अस्तित्व के लिए, बल्कि मानवता के लिए भी गंभीर संकट बनते जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रेड क्रॉस का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा है और यदि पर्यावरण असंतुलित हो जाएगा तो मानव जीवन पर भी संकट गहराएगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. मदन शर्मा ने पृथ्वी को संरक्षित रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी केवल एक ग्रह नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला है। यदि हम आज से ही पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण के लिए प्रयास नहीं करेंगे, तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए हालात और भी भयावह हो सकते हैं। रेड क्रॉस इकाई के सक्रिय सदस्य डॉ. कमल किशोर द्विवेदी ने पृथ्वी दिवस 2025 की थीम "Our Power, Our Planet" की व्याख्या करते हुए बताया कि यह विषय हमें यह स्मरण कराता है कि पृथ्वी की रक्षा की शक्ति हमारे हाथों में है, और हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम ऊर्जा, जल, वनों और जैव विविधता का संरक्षण करें। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. स्वाति सुंदरियाल, अन्य शिक्षकगण, रेड क्रॉस इकाई के सभी सदस्य तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

"हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" थीम पर विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

22 अप्रैल, 2025

महाविद्यालय में सोमवार को 'पृथ्वी दिवस' के उपलक्ष्य में भूगोल विभाग द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें प्राचार्य प्रो. (डॉ.) वी.एन. खाली सहित अनेक शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति रही। पृथ्वी दिवस 2025 की थीम "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" पर आधारित भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संचयन, ऊर्जा संरक्षण एवं कचरा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावशाली विचार रखे। भाषण प्रतियोगिता में अंकित कुमार (बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, प्रियंका (बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर) द्वितीय और चांदनी (एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर) तृतीय स्थान पर रहीं। इसके साथ ही भूगोल परिषद द्वारा क्विज़, चार्ट एवं मॉडल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। क्विज़ प्रतियोगिता में बलवंत सिंह व शालिनी (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर) ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि सूरज कुमार और दीपक सिंह संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। चार्ट प्रतियोगिता में राहुल धुनियाल एवं प्रभात (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर) ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. वी.एन. खाली ने कहा कि "पृथ्वी हमारी साझा संपदा है, और इसे संरक्षित रखना हम सभी का दायित्व है।" भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. आर.सी. भट्ट ने बताया कि पृथ्वी दिवस की शुरुआत 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में हुई थी, जब करोड़ों लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होकर प्रदर्शन किया था। तभी से हर वर्ष इस दिन को विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. बी.सी.एस. नेगी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का समय हरित ऊर्जा अपनाने और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को निभाने का है। डॉ. नेहा तिवारी पाण्डेय ने वृक्षारोपण, जल संचयन और ठोस कूड़ा प्रबंधन को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने पर बल दिया। वहीं डॉ. नरेंद्र पंघाल ने कहा कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि हमारे जीवन और भविष्य को दिशा देने वाला आंदोलन है। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के सभी छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों को मंच प्रदान किया, बल्कि उन्हें पर्यावरण के प्रति सजग नागरिक बनने की प्रेरणा भी दी।

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय में इतिहास चेतना और रचनात्मकता का उत्सव: प्रश्नोत्तरी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया प्रतिभा का जलवा

30 अप्रैल, 2025

महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित "इतिहास प्रश्नोत्तरी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता" ने छात्रों में ऐतिहासिक जागरूकता और रचनात्मक अभिव्यक्ति को नई दिशा प्रदान की। एक दिवसीय आयोजन में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने ज्ञान और कला का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इतिहास प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने भारतीय एवं विश्व इतिहास, सांस्कृतिक विरासत तथा ऐतिहासिक स्मारकों से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी विद्वत्ता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के सुनील तथा बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के ऋषभ थपलियाल ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान अर्जित किया। वहीं एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के अभिलाष को द्वितीय तथा नेहा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पेंटिंग प्रतियोगिता का विषय "ऐतिहासिक धरोहर" था, जिसमें प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक स्मारकों और सांस्कृतिक स्थलों को अपनी कल्पनाओं और रंगों के माध्यम से जीवंत रूप दिया। इसमें एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की सृष्टि ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सबका ध्यान खींचा। द्वितीय स्थान बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की प्रिया नेगी को मिला जबकि एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की सृष्टि अग्रवाल और बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के सौरभ रतूड़ी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की रूपा को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग की प्राध्यापिकाएँ श्रीमती पूनम, श्रीमती स्वाति सुन्दरियाल तथा डॉ. वी. आर. अंथवाल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने अपने वक्तव्यों में इतिहास की प्रासंगिकता और युवा पीढ़ी में इसके प्रति रुचि जगाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष के प्रेरणादायक संदेश के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक और रचनात्मक आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने की घोषणा की।

छात्रों ने सजाई रंगोली से चेतना, लेखनी से रचा स्वच्छता का संदेश युवा संसद और नमामि गंगे प्रतियोगिता के विजेताओं का भव्य सम्मान समारोह

01 मई, 2025

महाविद्यालय में लोकतंत्र और स्वच्छता के प्रति युवाओं की सहभागिता को सम्मानित करते हुए युवा संसद प्रतियोगिता एवं नमामि गंगे कार्यक्रम के विजयी छात्र-छात्राओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद कर्णप्रयाग के अध्यक्ष गणेश शाह मुख्य अतिथि तथा नगर पालिका सभासद मनोज पुंडीर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नमामि गंगे भाषण प्रतियोगिता में आशुतोष भंडारी, कविता पाठ में सलोनी, रंगोली में सृष्टि, निकिता व साक्षी, चार्ट प्रतियोगिता में अजय कुमार, निबंध लेखन में कविता तथा स्लोगन लेखन में शालिनी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। युवा संसद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी 51 छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, वहीं उत्तराखंड अंतरराष्ट्रीय संसदीय अध्ययन, शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भराड़ीसैंण में आयोजित युवा संसद में प्रतिभाग करने वाले 20 विद्यार्थियों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। छात्र अंशुल रावत ने कहा कि यह आयोजन ऐसा मंच था जहाँ प्रत्येक छात्र स्वयं को एक वास्तविक विधायक के रूप में अनुभव कर रहा था। शुभम ममगाईं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से लोकतंत्र की गहराई को समझने में मदद मिलती है, जबकि प्रीतम ने इसे युवाओं को एक नई पहचान देने वाला मंच बताया। युवा संसद कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. कीर्तिराम डंगवाल ने बताया कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय संसदीय संस्थान में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में महाविद्यालय की निरंतर सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य अतिथि गणेश शाह ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी एक माह के भीतर महाविद्यालय के 30 छात्रों को जनपद के प्रमुख कार्यालयों का भ्रमण कराया जाएगा। साथ ही नगर पालिका की ओर से महाविद्यालय परिसर में पानी और स्वच्छता की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी.एन. खाली ने कहा कि नगर पालिका कर्णप्रयाग के नए नेतृत्व में भविष्य में भी लोकतंत्र जागरूकता से संबंधित रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मदन लाल शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर डा. एम.एस. कंडारी, डॉ. कविता पाठक, डॉ. इन्द्रेश कुमार पांडेय, डॉ. नरेंद्र पंघाल, डॉ. मृगांक मलासी, डॉ. डी.एस. राणा, डॉ. वी.पी. भट्ट, एस.एल. मुनियाल, एवं जगदीश सिंह रावत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

यह कार्यक्रम न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच देने वाला रहा, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक जागरूकता को सशक्त करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल के रूप में भी सामने आया।

Scanned with OKEN Scanner

"लैंगिक समानता के लिए UCC जरूरी"

02 मई 2025

महाविद्यालय में दिनांक 2 मई 2025 को राजनीति विज्ञान विभाग की विभागीय परिषद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत भाषण एवं चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय "समान नागरिक सिविल संहिता" रखा गया। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के कई छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर वी एन खाली रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में बताया कि समान नागरिक संहिता एक मजबूत राष्ट्र की पहचान है। भाषण प्रतियोगिता में सलोनी ने प्रथम, शुभम महंगाई ने द्वितीय तथा दिया राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चार्ट प्रतियोगिता का विषय "ग्लोबल वार्मिंग और विश्व राजनीति" रखा गया। चार्ट प्रतियोगिता में अजय पाटिल ने प्रथम, अंजली ने द्वितीय तथा अमीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में राजनीतिक विज्ञान प्रभारी डॉ. कविता पाठक ने बताया कि लैंगिक समानता UCC का एक मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. मदन शर्मा, कीर्तिराम डंगवाल और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भोपालपानी देहरादून, मे रोवर एवं रेंजर लीडर बेसिक/ एडवांस कोर्स का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

07 मई, 2025

स्काउट गाइड राज्य प्रशिक्षण केंद्र भोपालपानी देहरादून, मे रोवर एवं रेंजर लीडर बेसिक/ एडवांस कोर्स का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 01/05/2025 से दिनांक 07/05/2025 तक संचालित किया गया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए 49 प्राध्यापकों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। (LOC) लीडर ऑफ द कोर्स प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार जी के नेतृत्व एवं अन्य प्रशिक्षक डॉ. जगमोहन सिंह नेगी, डॉ. अखिलेश्वर कुमार द्विवेदी, डॉ. विनोद सिंह रावत, श्री मंगल सिंह गढ़वाल,श्री वीरेंद्र सिंह धामी श्रीमती गायत्री साहू,डॉ0 नीतू बलूनी आदि के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता से संपन्न हुआ। उपरोक्त कार्यक्रम में डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय कर्णप्रयाग जनपद चमोली के रोवर लीडर डॉ हरीश चंद्र रतूड़ी एवं रेंजर लीडर डॉ. शीतल देशवाल ने भी प्रतिभाग किया।

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस मनाया गया

08 मई, 2025

डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्णप्रयाग में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की रेड क्रॉस इकाई द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों को रेड क्रॉस के सिद्धांतों और मानवीय कार्यों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। राजनीति विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. कविता पाठक ने कहा कि युद्धकाल में रेड क्रॉस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह संस्था बिना किसी भेदभाव के पीड़ितों की सहायता करती है। रेड क्रॉस प्रभारी डॉ. कीर्तिराम डंगवाल ने इसके संस्थापक हेनरी ड्यूनेन्ट के योगदान पर प्रकाश डालते हुए रेड क्रॉस की प्रासंगिकता पर चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. मृगांक मलासी ने युद्धोत्तर मानवता की सेवा के महत्व को रेखांकित किया। छात्र प्रीतम, अंशुल, दिनेश, रजनी और अमीषा ने भी रेड क्रॉस के मानवीय कार्यों पर अपने विचार साझा किए और युवाओं से इसमें भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. रवींद्र नेगी समेत कई प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रेड क्रॉस की सेवा भावना और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रेरित करना था।

Scanned with OKEN Scanner

एम.कॉम छात्र आदर्श बर्तवाल का पी.एन.बी. में चयन, महाविद्यालय में हर्षोल्लास

16 मई, 2025

वाणिज्य संकाय के एम.कॉम चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र आदर्श बर्तवाल ने सफलता की एक नई कहानी लिखते हुए पंजाब नेशनल बैंक (PNB) में परिवीक्षाधीन अधिकारी (Probationary Officer) के पद पर चयन प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में गर्व और खुशी का वातावरण व्याप्त है। आदर्श बर्तवाल की इस सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी.एन. खाली जी ने उन्हें हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आदर्श की मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति उसकी निष्ठा आज रंग लाई है और यह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश चंद्र रतूड़ी सहित विभाग के अन्य प्राध्यापकगण डॉ. रविन्द्र कुमार, सुश्री हिना नौटियाल, श्री नेतराम, श्री दीप सिंह एवं श्री तरुण कुमार आर्य ने भी इस सफलता पर प्रसन्नता जताई एवं आदर्श को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्राध्यापकों ने कहा कि यह सफलता महाविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा छात्र के परिश्रम का सम्मिलित परिणाम है। महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने भी आदर्श को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि निश्चित रूप से महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु प्रेरित करेगी।

महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने सिक्किम में पर्वतारोहण शिविर में नई ऊंचाइयों को छुआ

20 मई, 2025

महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने धैर्य, अनुशासन और साहस का शानदार प्रदर्शन करते हुए सिक्किम के नामची जिले में स्थित इंडियन हिमालयन सेंटर फॉर एडवेंचर एंड इको-टूरिज्म (आईएचसीईई), चेमची में आयोजित उच्च ऊंचाई वाले पर्वतारोहण शिविर में भाग लिया। आईएचसीईई द्वारा आयोजित यह शिविर दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी *माउंट कंचनजंगा* की लुभावनी पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट्स को अपने पर्वतारोहण कौशल को बढ़ाने का एक बेजोड़ अवसर मिला। कॉलेज की 13 एसडी प्लाटून एनसीसी का प्रतिनिधित्व करते हुए कैडेट दिव्यांशु कुमार और कैडेट मयंक सिंह ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। शिविर का मुख्य आकर्षण *फोकटे-सिंगालीला ट्रेक* था, जो दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे पहाड़ों के मनोरम दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। प्रतिभागियों को माउंट एवरेस्ट, माउंट कंचनजंगा, माउंट मकालू, माउंट लोत्से और अन्य ऊंची हिमालयी चोटियों के विस्मयकारी दृश्य देखने को मिले। 12,500 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने वाला यह ट्रेक, बार्सी रोडोडेंड्रोन अभयारण्य और सिंगालीला राष्ट्रीय उद्यान के हरे-भरे परिदृश्यों से होकर गुजरा, जिससे कैडेटों को हिमालय की जैव विविधता और प्राकृतिक सुंदरता का समृद्ध अनुभव मिला। ट्रेक के अलावा, कैडेटों ने कई अन्य साहसिक और टीम-निर्माण गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें टेंट पिचिंग और आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे, जिससे देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागियों के बीच सौहार्द और क्रॉस-कल्चरल लर्निंग को बढ़ावा मिला। कैडेटों को उनकी सफल भागीदारी के लिए बधाई देते हुए, प्रिंसिपल प्रो. डॉ. वी.एन. खाली और एनसीसी प्रभारी डॉ. नरेंद्र पंघाल ने उनके साहस, दृढ़ता और कॉलेज के अनुकरणीय प्रतिनिधित्व की प्रशंसा की।

अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर युवाओं को नशामुक्त भारत का दिया संदेश

31 मई, 2025

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की एंटी ड्रग समिति के संयोजक श्री रवींद्र सिंह द्वारा छात्र-छात्राओं को तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने युवाओं को नशे की लत से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री अखिलेश कुकरेती की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तम्बाकू केवल व्यक्ति विशेष ही नहीं, सम्पूर्ण समाज के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चुनौती है। इससे होने वाली बीमारियाँ जैसे कैंसर, हृदय रोग और फेफड़ों की समस्याएं अनेक परिवारों को प्रभावित करती हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. भालचंद सिंह नेगी, डॉ. चंद्रावती, डॉ. वी. आर. अंथवाल, डॉ. चंद्रमोहन जंसवाँण, श्रीमती स्वाति सुन्दरियाल तथा डॉ. दिशा शर्मा भी उपस्थित रहे और सभी ने विद्यार्थियों को तम्बाकू और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने तम्बाकू का सेवन न करने की शपथ ली। यह आयोजन विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

Scanned with OKEN Scanner

पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण चेतना का संदेश

5 जून 2025

महाविद्यालय में जल शक्ति मंत्रालय की नमामि गंगे योजना के तहत विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के अवसर पर " एक पेड़ माँ के नाम" योजना पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर वी.एन. खाली ने बताया कि किस प्रकार पर्यावरण मानव सभ्यता के लिए अति आवश्यक है परंतु आज मानवीय विकास गतिविधियों के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है और इसी परिवर्तन के कारण मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता निरंतर प्रभावित हो रही है। इसका एकमात्र समाधान यह है कि हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधों का संरक्षण करना चाहिए और प्लास्टिक को कम से कम प्रयोग करना चाहिए। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए नमामि गंगे के नोडल अधिकारी कीर्तिराम डंगवाल ने बताया कि इस प्रकार का जलवायु परिवर्तन मानव अस्तित्व के लिए एक खतरे की घंटी है अब समय आ गया है कि हमें मानव के अस्तित्व की रक्षा के लिए पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित रखना है। डॉ. कविता पाठक ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से फसल चक्र भी प्रभावित हो रहा है जो आने वाली मानव पीढ़ी और सतत विकास को सुरक्षित नहीं रख पाएगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अखिलेश कुकरेती, डॉ. वी. पी. भट्ट, डॉ. आर.सी. भट्ट, डॉ. राधा रावत, डॉ. बी.एस. नेगी, डॉ. कविता पाठक, डॉ. चंद्रावती टम्टा, डॉ. मृगांक मलासी, डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. वी. आर. अंथवाल, डॉ. विनोद चंद्रा, डॉ. शालिनी सैनी, महाविद्यालय के कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्राचार्य द्वारा अंत में सभी प्राध्यापक कर्मचारियों और छात्र छात्राओं को पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई गई। गोष्ठी के बाद महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्य किया गया।

योग से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है : डॉ. नरेंद्र पंघाल
महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2025

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। 'नमामि गंगे' एवं 'एनसीसी' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस योग कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने प्रातःकालीन सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर योग के पवित्र वातावरण से गूंज उठा।

इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने सामूहिक योगाभ्यास का संचालन किया और विभिन्न योगासनों का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नरेंद्र पंघाल ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, "योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मन, आत्मा और समाज को संतुलित और सशक्त बनाने की कला है। प्राचीन भारत के योग और आयुर्विज्ञान को आज वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है, जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।"

कार्यक्रम के दौरान 'नमामि गंगे' अभियान की ओर से योग प्रशिक्षकों और उत्कृष्ट कैडेट्स को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में 'नमामि गंगे' के नोडल अधिकारी डॉ. कीर्तिराम डंगवाल की विशेष भूमिका रही। साथ ही कार्यक्रम में रामचंद्र पुरोहित, नफीस, शुभम, सुरेंद्र, संजीव, बद्रीश, विपिन सहित कई गणमान्य जन और छात्र उपस्थित रहे।

इस अवसर ने महाविद्यालय के शैक्षणिक परिवेश में न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया, बल्कि छात्रों में अनुशासन, एकता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति भी एक नवीन चेतना का संचार किया। महाविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही है।

Scanned with OKEN Scanner

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भराड़ीसैंण में भव्य योग कार्यक्रम में महाविद्यालय के रोवर छात्रों की सक्रिय सहभागिता

21 जून 2025

रोवर लीडर डॉ. हरीश चंद्र रतूड़ी के नेतृत्व में महाविद्यालय के छात्रों की सक्रिय भागीदारी 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विधानसभा परिसर भराड़ीसैंण, जनपद चमोली में एक भव्य और ऐतिहासिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर के विद्यालयों और महाविद्यालयों के शिक्षकों, छात्रों तथा अन्य योग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत तथा विभिन्न देशों से पधारे राजदूतों ने संयुक्त रूप से सम्पन्न किया। दीप प्रज्वलन के पश्चात योग सत्र प्रारंभ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने एक साथ योगाभ्यास किया और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की प्राचीन योग परंपरा की गरिमा को प्रदर्शित किया। इस भव्य आयोजन में डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्णप्रयाग की ओर से रोवर लीडर डॉ. हरीश चंद्र रतूड़ी के नेतृत्व में 6 रोवर सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। महाविद्यालय की टीम ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ योग सत्र में भाग लिया और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी मुख्य अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों द्वारा विधानसभा परिसर में वृक्षारोपण किया गया। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल रही, जिसने योग के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण का भी संदेश दिया। कार्यक्रम ने सभी प्रतिभागियों मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया तथा "योग से सहयोग" की भावना को बल दिया।

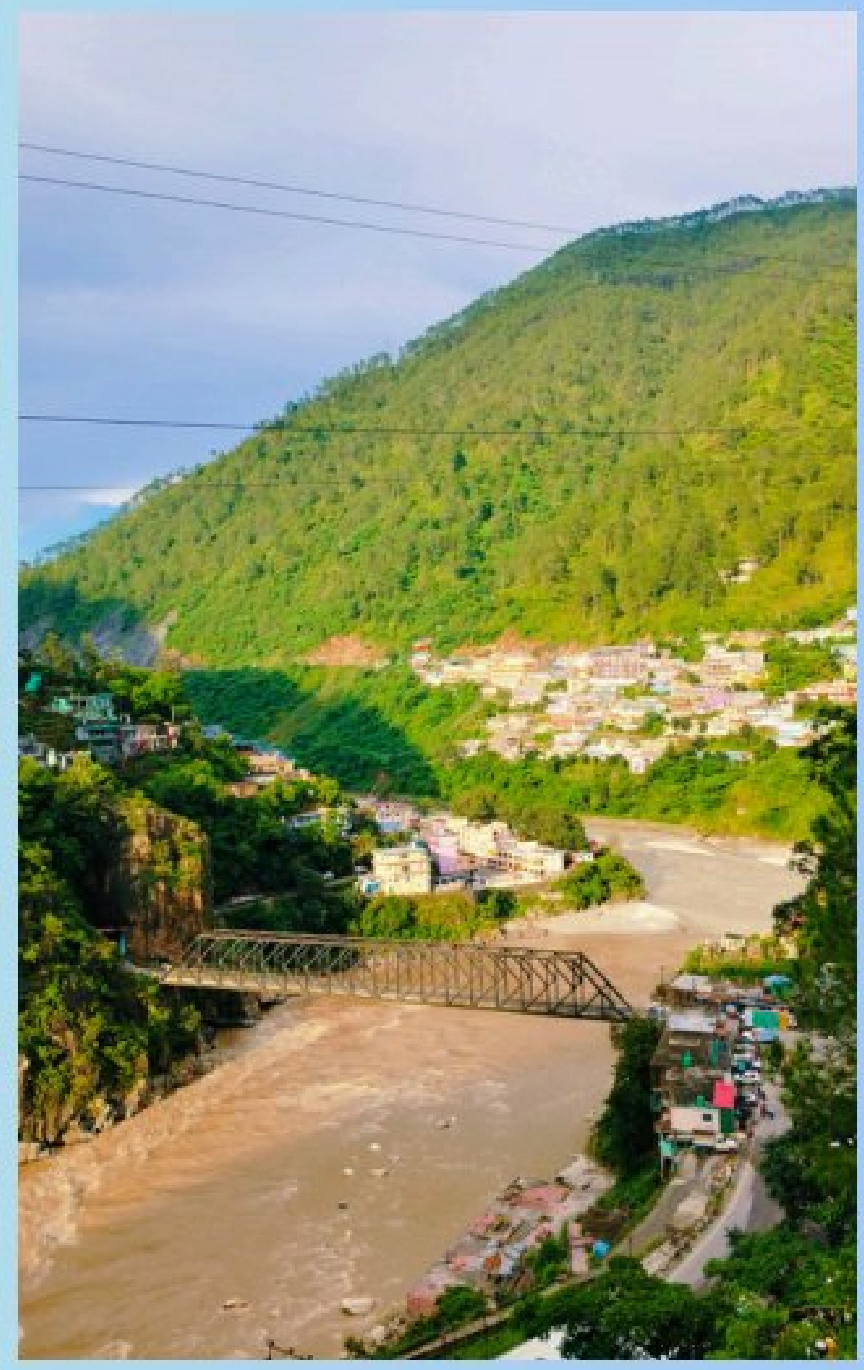

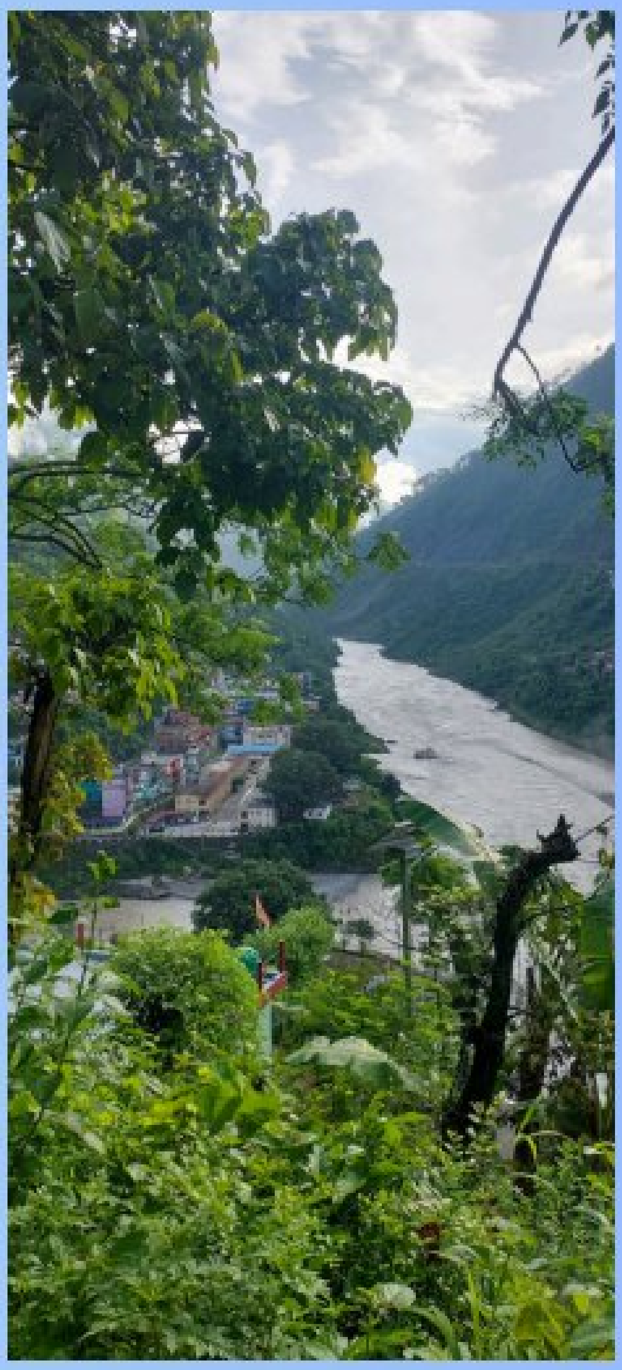

संरक्षक - प्रो. (डॉ.) विश्वनाथ खाली (प्राचार्य)

संपादक मंडल

डॉ. मदन लाल शर्मा

श्रीमती स्वाति सुन्दरियाल

डॉ. वेणी राम अंथवाल

Scanned with OKEN Scanner